DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

M.A. HINDI
Semester – II & IV

SESSION : 2025-26

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE, DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

शास. वि.या.ता.स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र 2025.2026

एम.ए. हिन्दी
द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र 2025.2026 हेतु अध्ययन मंण्डल द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

द्वितीय सेमेस्टर 2025.2026

प्रश्नपत्र प्रथम :– हिन्दी साहित्य का इतिहास (उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक) भाग–2	**प्रश्नपत्र द्वितीय :–** प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य) भाग–2
प्रश्नपत्र तृतीय :– काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (आधुनिक समीक्षा सिद्धांत तथा हिन्दी आलोचना) भाग–2	**प्रश्नपत्र चतुर्थ :–** आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास, एकांकी एवं चरितात्मक कृति) भाग–2
प्रश्नपत्र पंचम :– जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्य साहित्य) भाग–2	

शैक्षणिक सत्र 2025.2026 हेतु एम.ए. हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिन्दी

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

मूल्यांकन – प्रणाली

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक = 04 क्रेडिट

सत्र – 2023- 2024 से स्वशासी स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र के प्रारूप में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रारूप प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के लिए लागू होगा। नए प्रारूप के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं –

i. प्रश्नपत्र 80 अंकों (04 क्रेडिट) का होगा।

ii. प्रत्येक प्रश्नपत्र में इकाईवार प्रश्न पूछे जाएंगे।

iii. जिन प्रश्नपत्रों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित नहीं है, उनमें प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न पूछे जायेंगे –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

1. प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
2. प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
3. उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
4. हिंदी साहित्य के जिन प्रश्नपत्रों की पाठ्यवस्तु में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें भी लघूत्तरी प्रश्न के स्थान पर प्रत्येक इकाई से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा, किन्तु अंक विभाजन निम्नानुसार होगा –

प्रश्न 1.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 2.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 3.	व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	6 अंक
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	10 अंक

(परीक्षार्थी व्याख्यात्मक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा और निर्धारित अंकों को ध्यान में रखते हुए दें।)

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

5. आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा निम्नानुसार होगी –

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक = 01 क्रेडिट

- इकाई जाँच परीक्षा – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंकों की एक जाँच परीक्षा ।
- सत्रीय गृहकार्य – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र से कोई 02 विषयों का चयन कर उन पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा। आलेख तैयार करने हेतु मानक संदर्भ सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिये। प्रयुक्त संदर्भ पुस्तकों के शीर्षक, लेखक, प्रकाशन वर्ष तथा प्रकाशक का समुचित विवरण आलेख के अंत में यथाविधि किया जाना चाहिये।
- सेमीनार प्रस्तुति (पावर प्वाइंट के माध्यम से) – 20 अंक
  आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्नपत्र में सेमीनार होगा । सेमीनार का मूल्यांकन मौखिक प्रस्तुति एवं खुली चर्चा (10 अंक) तथा आलेख (10 अंक) के आधार पर किया जाएगा ।
- सेमीनार वाले प्रश्नपत्र को छोड़कर शेष सभी प्रश्नपत्रों में से प्रत्येक में सत्रीय कार्य (20 अंक)
  अर्थात किसी एक प्रश्नपत्र में आंतरिक जाँच परीक्षा + सेमीनार तथा शेष प्रश्नपत्रों में आंतरिक जांच परीक्षा + सत्रीय कार्य के लिये परीक्षार्थी के प्राप्तांकों के औसत की गणना कर उसे मान्य किया जाएगा।

विद्यार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना होगा ।
2. सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षार्थी को कुल मिलाकर 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आंतरिक जांच परीक्षा (Class Test), सत्रीय गृह कार्य (Home Assignment) तथा सेमीनार प्रस्तुति सम्मिलित होंगे ।
4. क. आंतरिक मूल्यांकन के अंर्तगत प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए दो आंतरिक (अर्थात जॉच परीक्षा तथा सत्रीय मूल्यांकन) परीक्षाओं में परीक्षार्थी को प्राप्त अंक के औसत की गणना कर उसमें प्राप्तांक में सम्मिलित किया जाएगा। इसमें 20 अंक होंगे।

   ख. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्न पत्र में सेमीनार होगा। सेमीनार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। सेमीनार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिक प्रस्तुति देनी होगी तथा उसका लिखित आलेख प्रस्तुत करना होगा। मौखिक प्रस्तुति के लिए 10 अंक तथा लिखित आलेख के लिए भी 10 अंक होंगे। मौखिक प्रस्तुति के बाद उस पर खुली चर्चा होगी।

   ग. सेमिनार वाले प्रश्नपत्र के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्नपत्रों में 20 अंकों का सत्रीय कार्य होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :डॉ. उमाकांत मिश्र, प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय, विभागाध्यक्ष हिन्दी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

<u>विभागीय सदस्य</u>

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

द्वितीय सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन
सत्र 2025.2026

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक		आंतरिक		क्रेडिट
		अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास	80	16	20	04	**5**
II	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	16	20	04	**5**
III	काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन	80	16	20	04	**5**
IV	आधुनिक गद्य साहित्य	80	16	20	04	**5**
V	जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी	80	16	20	04	**5**
	कुल अंक	400	80	100	20	**25**

टीप :– सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंक = 01 क्रेडिट अंक होंगे।

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिन्दी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025.2026
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – प्रथम
हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग – 2
(उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. रीतिकाल की साहित्यिक परंपरा का सम्यक ज्ञान तथा रीति-साहित्य को समझने की दृष्टि प्रदान करना।
2. आधुनिकता और नवजागरण की ज्ञान-परंपरा और उसकी सामान्य पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करना।
3. हिंदी के आधुनिक साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना तथा समाजशास्त्रीय पद्धति से उसे समझने की प्रणालियों की जानकारी देना।
4. हिंदी में गद्य के विकास के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) – काल सीमा, नामकरण, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ। रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएँ।

इकाई 2. आधुनिक काल – आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि । 1857 की राज्य क्रांति एवं पुनर्जागरण,
भारतेन्दु युग–प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई 3. द्विवेदी युग –प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ, छायावाद – प्रमुख साहित्यकार एवं साहित्यिक विशेषताएँ। छायावादोत्तर काल (विभिन्न प्रवृत्तियाँ) प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, स्वच्छन्दतावाद सामान्य परिचय।

इकाई 4. हिन्दी गद्य का विकास –
गद्य साहित्य के विभिन्न रूपों कहानी, उपन्यास, निबंध का उद्भव और विकास, सामान्य प्रवृत्तियाँ नाटक का उद्भव, विकास और सामान्य प्रवृत्तियाँ (गीति–नाटकों का परिचयात्मक विवेचन) ।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ – डॉ. नामवर सिंह
2. हिन्दी साहित्य बींसवीं शताब्दी – नन्ददुलारे बाजपेयी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – कृष्ण शंकर शुक्ल
4. गद्य की विविध विधाएँ – डॉ. बापूराव देसाई
5. हिन्दी कहानी – उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
6. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियॉ – डॉ. शशि भूषण सिंह
7. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

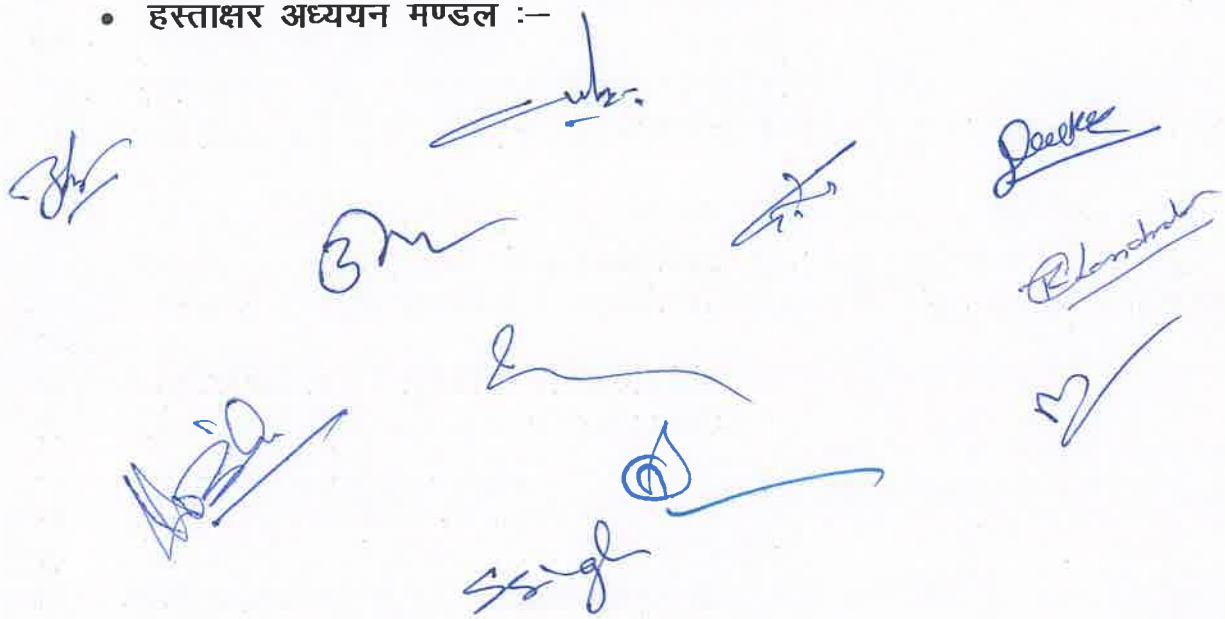

सत्र – 2025.2026
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग – 2
(सगुण भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यर्थियों को–

1. भक्ति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी संवेदना से परिचित कराना।
2. भक्तिकाल के महान कवियों सूरदास और तुलसीदास के काव्य-वैशिष्ट्य और उनकी कविता की लोकहितकारी भूमिका के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. रीति साहित्य के स्वरूप तथा उसकी भावभूमि से परिचित करना।
4. भक्तिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. सूरदास – भ्रमरगीत सार (संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल) (50 पद)।
पद संख्या – 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90 तक (50 पद)।

इकाई 2. तुलसीदास – रामचरित मानस (सुंदरकाण्ड) गीता प्रेस गोरखपुर।

इकाई 3. बिहारी – बिहारी रत्नाकर, संपादक जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)।

इकाई 4. घनानंद – घनानंद कवित्त : संपादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (प्रारंभिक 25 छंद)
मध्यकालीन काव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. बिहारी – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भगीरथ मिश्र
3. सूरदास के काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
4. तुलसी साहित्य के नये संदर्भ – डॉ. एल.एन.दुबे
5. सूरदास – डॉ. हरबंस लाल शर्मा
6. तुलसीदास – प्रो. सतीश कुमार – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**
-

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिन्दी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025.2026
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – तृतीय
काव्यशास्त्र तथा साहित्यालोचन भाग – 2
(समीक्षा के प्रमुख सिद्धांत तथा हिंदी समीक्षाशास्त्र)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यर्थियों को–

1. आधुनिक साहित्य-समीक्षा की प्रमुख वैचारिक प्रणालियों एवं उनके मानदंडों का सामान्य परिचय प्रदान करना।
2. हिंदी-आलोचना की विभिन्न धाराओं का परिचयात्मक ज्ञान प्रदान करना।
3. हिंदी के प्रमुख आलोचकों की समीक्षा-दृष्टि की जानकारी तथा हिंदी के निजी समीक्षाशास्त्र की संभावनाओं के संबंध में सजगता विकसित करना।
4. व्यावहारिक समीक्षा की विभिन्न पद्धतियों एवं प्रविधियों का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. आधुनिक समीक्षा के प्रमुख सिद्धांतः अभिव्यंजनावाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद ।

इकाई 2. हिन्दी कवि–आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण काव्य–परंपरा।
हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मनोविश्लेषणवादी, प्रगतिशील।

इकाई 3. प्रमुख हिंदी आलोचकों की समीक्षा–दृष्टि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा ।

इकाई 4. व्यावहारिक समीक्षा : प्रश्नपत्र में पूछे गये किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा ।
निराला–कुकुरमुत्ता; जूही की कली , अज्ञेय–साम्राज्ञी का नैवेद्यदान, मुक्तिबोध – भूल–गलती, रघुवीर सहाय – रामदास,

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 सें 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत भाग 1 एवं 2 – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
2. हिन्दी आलोचना : उद्‌भव और विकास – डॉ. भागवत स्वरूप मिश्र
3. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल
4. आलोचना के बदलते मानदण्ड और हिन्दी साहित्य – डॉ. शिवकरण सिंह
5. हिन्दी आलोचना का विकास – डॉ. नंदकिशोर नवल
6. अस्तित्ववाद : किर्कगार्द से कामू तक – योगेन्द्र शाही
7. आलोचक रामविलास शर्मा – रणधीर सिन्हा

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिन्दी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025.2026
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य भाग– 2
(उपन्यास, एकांकी एवं चरितात्मक कृति)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को–

1. हिंदी के गद्य-साहित्य का सामान्य परिचय प्रदान करना।
2. हिंदी-उपन्यासों के अनुभव-संसार के साक्ष्य से सामाजिक वास्तविकता के साक्षात्कार का प्रयत्न करना।
3. एकांकी विधा के विषय में जानकारी प्रदान करना तथा सामाजिक जीवन के साथ एकांकी के संबंधों का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।
4. हिंदी के गद्य-साहित्य से परिचय कराना तथा उसकी संवेदनात्मक बुनावट की समझ प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 उपन्यास – गोदान – प्रेमचन्द

इकाई – 2 उपन्यास – मैला आंचल – फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई – 3 एकांकी –

1. औरंगजेब की आखिरी रात – रामकुमार वर्मा
2. वसंत – अज्ञेय
3. स्ट्राइक – भुवनेश्वर
4. तौलिए – उपेन्द्रनाथ अश्क
5. मुर्गीवाला – प्रेम साइमन

इकाई – 4 **कथेतर गद्य साहित्य** :–

पथ के साथी : महादेवी वर्मा (केवल दो निबंध) – 1, निराला भाई 2, सुभद्रा
ऋण जल धन जल : फणीश्वर नाथ 'रेणु' – कुत्ते की आवाज
सौंदर्य की नदी नर्मदा : अमृतलाल वेगड़ – सौंदर्य की नदी नर्मदा

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. प्रेमचंद और उसका युग – डॉ. रामविलास शर्मा
2. गोदान के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. गोपाल राय
3. कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु – चंद्रभान सोनवणे
4. हिन्दी उपन्यास की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ तनेजा
5. प्रेमचन्द एक अध्ययन – डॉ. राजेश्वर गुरू
6. हिन्दी उपन्यास उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेश सिन्हा
7. हिन्दी के प्रमुख आंचलिक उपन्यासकार – डॉ. शकुन्तला सिंह
8. हिन्दी एकांकी की उद्‌भव और विकास – डॉ. रामचरण महेन्द्र
9. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ कुमार
10. हिन्दी रंगकर्म : दशा और दिशा – डॉ. जयदेव तनेजा
11. महादेवी : प्रतिनिधि गद्य रचनाएँ – संपादक – रामजी पाण्डेय

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :डॉ. उमाकांत मिश्र, प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय, विभागाध्यक्ष हिन्दी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025.2026
द्वितीय सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी भाग– 2
(छत्तीसगढ़ी काव्य एवं गद्य साहित्य)

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ी भाषा सीखने की दिशा में रुझान विकसित करना।
2. छत्तीसगढ़ी के शिष्ट साहित्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. छत्तीसगढ़ की संघर्ष-परम्परा, विशेषतः 1857 के क्रांतिकारी योद्धा वीर नारायणसिंह के जुझारू व्यक्तित्व तथा प्रथ स्वाधीनता संघर्ष में उनके योगदान के विषय में जागरूकता विकसित करना।
4. छत्तीसगढ़ी उपन्यास और नाटकों का परिचय करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. सुन्दरलाल शर्मा, मुकुटधर पाण्डेय, नारायणलाल परमार, डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा, भगवतीलाल सेन, मुरली चन्द्राकर ।

इकाई 2. सतवंतिन सुकवारा : श्याम लाल चतुर्वेदी, कउंवा, कबूतर अउ मनखे : परमानंद वर्मा, फिरंतिन मौसी दाई : शिवशंकर शुक्ल, गोरसी के गोठ : डॉ. पालेश्वर शर्मा

इकाई 3. अमर शहीद वीर नारायण सिंह (छत्तीसगढ़ी खंड काव्य) हरि ठाकुर (सर्ग 1, 2, 3)। करमछड़हा (नाटक) खूबचंद बघेल। परेमा (एकांकी) नंद किशोर तिवारी ।

इकाई 4. आवा (उपन्यास) परदेसीराम वर्मा एवं बहू हाथ के पानी (उपन्यास) दुर्गा प्रसाद पारकर

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य : सं. डॉ. सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन
   एम.आई.जी.–5 सेक्टर–1, शंकर नगर, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) : मदनलाल गुप्ता, श्री प्रकाशन ए–14 आदर्श नगर दुर्ग
3. छत्तीसगढ़ी साहित्य दशा और दिशा : नंद किशोर तिवारी, आमीनपारा चौक, पुरानी बस्ती, रायपुर.
4. अमर शहीद वीर नारायण सिंह (खंड काव्य) : हरि ठाकुर
5. आवा : परदेसी राम वर्मा
6. मुरली के धुन : मुरली चंद्राकर, छ.ग. कल्याण महासंघ, दुर्ग
7. देख रे आंखी सुन रे कान : भगवती लाल सेन, हिन्दी साहित्य समिति, धमतरी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिन्दी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र – 2025.2026
द्वितीय सेमेस्टर
लोक साहित्य भाग – 02
छत्तीसगढ़ी : छत्तीसगढ़ी लोक काव्य एवं कथा साहित्य (वैकल्पिक प्रश्न पत्र)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 205B

पूर्णांक :– 80

प्रस्तावना

छत्तीसगढ़ी का लोक-साहित्य अत्यंत समृद्ध और विविधरूपात्मक है। इसकी विपुल विविधता, विलक्षण सर्जनात्मक ऊर्जा और श्रमजीवी समाज के कर्म-सौंदर्य का साक्षात्कार इस पाठ्यक्रम के माध्यम से किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. छत्तीसगढ़ की वाचिक परम्परा और उसकी समृद्ध विरासत का सम्यक समझ उत्पन्न करना।
2. छत्तीसगढ़ के लोकजीवन और छत्तीसगढ़ी लोक-साहित्य के विषय मे समुचित जागरूकता, अभिरुचि और संवेदनशीलता विकसित करना।
3. छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक अतीत के प्रति गौरव का बोध उसके श्रमजीवी समाज तथा उसकी लोक-संस्कृति के प्रति सम्मान भाव जागृत करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई-1. छत्तीसगढ़ी लोक-काव्य : करमा गीत, ददरिया गीत, सुआ गीत, फाग गीत, गउरा गीत, भोजली गीत, संस्कार गीत (सोहर गीत, बिहाव गीत), जस गीत, पंथी गीत

इकाई-2. छत्तीसगढ़ी लोक-कथा : सामान्य परिचय। लोक-कथा – बकरी और बाघिन, देही तो कपाल का करही गोपाल, महुआ का पेड़, बाघ और सियार, चम्पा और बाँस।

इकाई-3. छत्तीसगढ़ी लोकगाथा : परिचयात्मक अध्ययन। लोकगाथा - दसमत कैना, कुँअर अछरिया, लोरिक-चंदा, पंडवानी।

इकाई-4. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य : परिचयात्मक अध्ययन। लोकनाट्य - नाचा, रहस, समकालीन नाट्य-रूप : चंदैनी गोंदा। पुष्कल साहित्य : जनउला, हाना।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को

1. छत्तीसगढ़ की वाचिक परम्परा और उसकी समृद्ध विरासत का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
2. छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन के विषय में समझ और संवेदनशीलता विकसित हो सकेगी।
3. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का समुचित ज्ञान हो सकेगा।
4. छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक अतीत के प्रति गौरव का बोध होगा।
5. छत्तीसगढ़ के श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान का भाव का विकास होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें–

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (6 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ-ग्रंथ एवं वेब- लिंक

1. छत्तीसगढ़ी दिग्दर्शन : मदन लाल गुप्ता
2. छत्तीसगढ़ी गीत : संपादक-जमुना प्रसाद कसार
3. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य : डॉ. सत्यभामा आडिल
4. छत्तीसगढ़ी साहित्य : नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोक-साहित्य : डॉ. बिहारी लाल साहू
6. छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियों का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : मन्नूलाल यदु
7. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य में शास्त्रीय तत्व : डॉ. शैलजा चंद्राकर
8. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य नाचा : महावीर अग्रवाल
9. दसमत कैना : संपादक - जय प्रकाश
10. कुँअर अछरिया : संपादक - जयप्रकाश
11. छत्तीसगढ़ी लोककथाएँ http://ignca.nic.in/coilnet/chgr0034.htm#bakari

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र, प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय, विभागाध्यक्ष हिन्दी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र 2025–2026

एम.ए. हिन्दी

चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र 2025.2026 हेतु अध्ययन मण्डल द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

चतुर्थ सेमेस्टर 2025-2026

प्रश्नपत्र प्रथम :– भाषा विज्ञान भाग –2 (हिन्दी भाषा : ऐतिहासिक विकास एवं आधुनिक स्वरूप)	**प्रश्नपत्र द्वितीय :–** प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग–2 (मीडिया–लेखन एवं अनुवाद)
प्रश्नपत्र तृतीय :– आधुनिक काव्य (प्रगतिवादी एवं उत्तरवर्ती काव्य) भाग–1	**प्रश्नपत्र चतुर्थ :–** भारतीय साहित्य भाग–2 (पश्चिमोत्तर एवं दक्षिणात्य भाषाओं का साहित्य)
प्रश्नपत्र पंचम :– पत्रकारिता प्रशिक्षण – भाग 2 (इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट पत्रकारिता)	**प्रश्नपत्र पंचम :–** वैकल्पिक राजभाषा प्रशिक्षण – भाग –02

शैक्षणिक सत्र 2025-2026 हेतु एम.ए. हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

<u>विभागीय सदस्य</u>

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

मूल्यांकन – प्रणाली

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक = 04 क्रेडिट

सत्र 2023-2024 से स्वशासी स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र के प्रारूप में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रारूप प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के लिए लागू होगा। नए प्रारूप के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं –

i. प्रश्नपत्र 80 अंकों (04 क्रेडिट) का होगा।

ii. प्रत्येक प्रश्नपत्र में इकाईवार प्रश्न पूछे जाएँगे।

iii. जिन प्रश्नपत्रों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित नहीं है, उनमें प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न पूछे जायेंगे –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

1. प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
2. प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
3. उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
4. हिंदी साहित्य के जिन प्रश्नपत्रों की पाठ्यवस्तु में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें भी लघूत्तरी प्रश्न के स्थान पर प्रत्येक इकाई से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा, किन्तु अंक विभाजन निम्नानुसार होगा –

प्रश्न 1.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 2.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 3.	व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	6 अंक
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	10 अंक

(परीक्षार्थी व्याख्यात्मक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा और निर्धारित अंकों को ध्यान में रखते हुए दें।)

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा निम्नानुसार होगी –
आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक = 01 क्रेडिट

- इकाई जाँच परीक्षा – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंकों की एक जाँच परीक्षा ।
- सत्रीय गृहकार्य – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र से कोई 02 विषयों का चयन कर उन पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा। आलेख तैयार करने हेतु मानक संदर्भ सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिये। प्रयुक्त संदर्भ पुस्तकों के शीर्षक, लेखक, प्रकाशन वर्ष तथा प्रकाशक का समुचित विवरण आलेख के अंत में यथाविधि किया जाना चाहिये।
- सेमीनार प्रस्तुति (पावर प्वाइंट के माध्यम से) – 20 अंक
  आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्नपत्र में सेमीनार होगा । सेमीनार का मूल्यांकन मौखिक प्रस्तुति एवं खुली चर्चा (10 अंक) तथा आलेख (10 अंक) के आधार पर किया जाएगा ।
- सेमीनार वाले प्रश्नपत्र को छोड़कर शेष सभी प्रश्नपत्रों में से प्रत्येक में सत्रीय कार्य (20 अंक)
  अर्थात किसी एक प्रश्नपत्र में आंतरिक जाँच परीक्षा + सेमीनार तथा शेष प्रश्नपत्रों में आंतरिक जांच परीक्षा + सत्रीय कार्य के लिये परीक्षार्थी के प्राप्तांकों के औसत की गणना कर उसे मान्य किया जाएगा।
- चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र पत्रकारिता प्रशिक्षण भाग 2 के आंतरिक मूल्यांकन (जांच परीक्षा तथा सत्रीय कार्य) के स्थान पर प्रोजेक्ट कार्य 20 अंक का होगा।

विद्यार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना होगा ।
2. सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षार्थी को कुल मिलाकर 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आंतरिक जांच परीक्षा (Class Test), सत्रीय गृह कार्य (Home Assignment) तथा सेमीनार प्रस्तुति सम्मिलित होंगे ।
4. क. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए दो आंतरिक (अर्थात जॉच परीक्षा तथा सत्रीय मूल्यांकन) परीक्षाओं में परीक्षार्थी को प्राप्त अंक के औसत की गणना कर उसमें प्राप्तांक में सम्मिलित किया जाएगा। इसमें 20 अंक होंगे।

   ख. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्न पत्र में सेमीनार होगा। सेमीनार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। सेमीनार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिक प्रस्तुति देनी होगी तथा उसका लिखित आलेख प्रस्तुत करना होगा। मौखिक प्रस्तृति के लिए 10 अंक तथा लिखित आलेख के लिए भी 10 अंक होंगे। मौखिक प्रस्तुति के बाद उस पर खुली चर्चा होगी।

   ग. सेमिनार वाले प्रश्नपत्र के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्नपत्रों में 20 अंकों का सत्रीय कार्य होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

चतुर्थ सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन
सत्र 2025.2026

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्नपत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक		आंतरिक		क्रेडिट
		अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
I	भाषा विज्ञान भाग – 2	80	16	20	04	5
II	प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग – 2	80	16	20	04	5
III	आधुनिक काव्य भाग – 2	80	16	20	04	5
IV	भारतीय साहित्य भाग – 2	80	16	20	04	5
V	पत्रकारिता प्रशिक्षण भाग – 2 वैकल्पिक राजभाषा प्रशिक्षण भाग – 02	80	16	20	04	5
	कुल अंक	400	80	100	20	25

टीप :– सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में 20 अंक = 01 क्रेडिट अंक होंगे।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025-2026

एम.ए. (हिन्दी)

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र – प्रथम

भाषा विज्ञान भाग–2

(हिन्दी भाषा : ऐतिहासिक विकास एवं आधुनिक स्वरूप)

पाठ्यक्रम कोड – MHN - 401

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. हिन्दी भाषा के इतिहास और उसके विकास-क्रम तथा उसकी परम्परा से अवगत कराना।
2. हिन्दी -प्रदेश की जनपदीय बोलियों की विविधता, उनके ऐतिहासिक स्वरूप और भौगोलिक विस्तार से परिचित कराना।
3. हिन्दी भाषा के प्रयोजनात्मक स्वरूप और संवैधानिक स्थिति की समुचित जानकारी देना।
4. हिन्दी में कंप्यूटिंग की पद्धति का सामान्य परिचय देना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय भाषाएँ और उनका वर्गीकरण ।

इकाई 2. **हिन्दी का भौगोलिक विस्तार** – हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी हिन्दी तथा पहाड़ी हिन्दी और उनकी बोलियाँ । पूर्वी हिन्दी एवं पश्चिमी हिन्दी की विशेषताएँ

इकाई 3. **हिन्दी के विविध रूप** – संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार–भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।

इकाई 4. **हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ** – आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी – शोधक, मशीनी–अनुवाद, हिन्दी भाषा–शिक्षण, देवनागरी लिपि : विशेषताएँ और मानकीकरण ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. हिंदी भाषा के विकास के इतिहास क्रम और उसकी परंपरा की जानकारी होगी।
2. हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियों और उपभाषाओं की विशेषताओं तथा उनके भौगोलिक क्षेत्र–विस्तार का ज्ञान होगा।
3. हिंदी भाषा के प्रकार्यात्मक पक्ष और उसकी संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होगा।
4. हिंदी में कम्प्यूटिंग की पध्दति की सामान्य जानकारी होगी।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होंगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास – भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ – प्रो. दीपचंद जैन
3. भाषा भूगोल – कैलाशचंद भाटिया
4. हिन्दी भाषा की रूप संरचना – भोलानाथ तिवारी
5. राष्ट्रभाषा हिन्दी, समस्याएँ और समाधान – देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. नागरी लिपि और हिन्दी – अनंत चौधरी
7. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
8. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025-2026

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र – द्वितीय

प्रयोजन मूलक हिन्दी (भाग–2)

(मीडिया – लेखन एवं अनुवाद)

पाठ्यक्रम कोड – MHN - 402

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. जनसंचार के स्वरूप, प्रक्रिया और पद्धति से अवगत कराना।
2. जनसंचार की विशिष्ट भाषा से परिचित कराना तथा उसमें हिन्दी के प्रयोजनात्मक रूप के उपयोग के प्रति जागरूक करना।
3. हिन्दी में अनुवाद की पद्धति , प्रविधि और प्रक्रिया से परिचित कराना।
4. अनुवाद के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलू का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 **मीडिया लेखन** – जनसंचार : प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ, विभिन्न जनसंचार – माध्यमों का स्वरूप – मुद्रण, श्रवण, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट श्रवण– माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन–लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज।

इकाई – 2 **दृश्य – श्रव्य माध्यम** (फिल्म, टेलीविजन एवं रेडियो) – दृश्य - माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वॉयस ओवर)। पटकथा-लेखन, टेली-ड्रामा, संवाद-लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा।

इकाई – 3 **अनुवाद** – सिद्धांत एवं व्यवहार ,अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद। जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।

इकाई – 4 **व्यावहारिक अनुवाद** अभ्यास, कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक नियुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि, पत्रों के अनुवाद, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार-कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, दुभाषिया-प्रविधि ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. जनसंचार के स्वरूप, पध्दति और प्रकिया की सामान्य जानकारी होगी।
2. जनसंचार माध्यमों की भाषा के वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
3. हिंदी में अनुवाद की प्रकिया और प्रविधि की जानकारी होगी।
4. अनुवाद के सिध्दांत और व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1.	जनसंचार माध्यमों में हिन्दी	:	डॉ. चंद्रकुमार
2.	हिन्दी और उसकी विविध बोलियां	:	प्रवीण दीक्षित
3.	पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार	:	डॉ. संजीव भानावत
4.	पत्रकारिता के विविध आयाम	:	वेदप्रताप वैदिक
5.	दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध	:	डॉ.कृष्ण कुमार रत्तू
6.	जनमाध्यम एवं पत्रकारिता	:	प्रवीण दीक्षित
7.	अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा	:	सुरेश कुमार
8.	अनुवाद–बोध	:	डॉ. गार्गी गुप्त

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025-2026

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–तृतीय

आधुनिक काव्य (भाग–2)

(प्रगतिवादी एवं उत्तरवर्ती काव्य)

पाठ्यक्रम कोड – MHN - 403

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थी को

1. आधुनिक काव्य के मूल स्वभाव की समझ प्रदान कराना ।
2. आधुनिक काव्य के संवेदनात्मक और वैचारिक स्वरूप से अवगत कराना।
3. हिन्दी की लंबी कविताओं के स्वरूप और प्रणाली से अवगत कराना।
4. प्रगतिवाद और प्रयोगवाद के वैचारिक, संवेदनात्मक और सौंदर्यशास्त्रीय पहलुओं से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1. **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय** – नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, उधार, देह वल्ली, सोन मछली ।

इकाई – 2. **गजानन माधव मुक्तिबोध** – अंधेरे में

इकाई – 3. **नागार्जुन** – यह तुम थीं, खुरदरे पैर, तुमको प्रणाम, पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने, शाल वनों के निविड़ टापू में, सिन्दूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है, रहा उनके बीच मैं, लू-शून ।

इकाई – 4. **त्रिलोचन शास्त्री** – चम्पा काले–काले अच्छर नहीं चीन्हती, जीवन का एक लघु प्रसंग, हाथों के दिन, घर वापसी, प्यार, भाषा की लहर ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. प्रगतिवादी काव्य के वैचारिक और संवेदनात्मक स्वरूप से परिचय होगा।
2. प्रयोगवादी काव्य के वैचारिक और संवेदनात्मक स्वरूप का ज्ञान होगा।
3. अज्ञेय और मुक्तिबोध की लंबी कविताओं के बहाने हिंदी की लंबी कविताओं के स्वरूप और रचना विधान के बारे में समझ विकसित होगी।
4. नागार्जुन और त्रिलोचन की काव्यगत अभिलाक्षणिकताओं से परिचय होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (2 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (10 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1.	मुक्तिबोध की काव्य प्रक्रिया	–	अशोक चक्रधर
2.	अज्ञेय का रचना संसार	–	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
3.	कविता की तीसरी आँख	–	डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
4.	कविता से साक्षात्कार	–	मलयज
5.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	–	डॉ. रामचन्द्र शुक्ल
6.	समकालीन कविता का यर्थाथ	–	परमानंद श्रीवास्तव
7.	नागार्जुन का रचना संसार	–	विजय बहादुर सिंह

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025-2026

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र – चतुर्थ

भारतीय साहित्य (भाग –2)

(पश्चिमोत्तर एवं दक्षिणात्य भाषाओं का साहित्य)

पाठ्यक्रम कोड – MHN - 404

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में

1. भारत की समन्वयात्मक और बहुलतावादी संस्कृति के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
2. भारतीय साहित्य की परम्परा और उसकी सांस्कृतिक अभिप्रेरणाओं के प्रति रुझान विकसित होगा।
3. भारतीयता के सांस्कृतिक स्रोतों का सम्यक दृष्टि और अभिरुचि पैदा होगी।
4. हिन्दीतर भाषाओं के साहित्य के प्रति रुचि , उत्सुकता और सम्मान उत्पन्न होगा।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 **पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग : मराठी के साहित्य तथा साहित्येतिहास का अध्ययन –**
महाराष्ट्र की संकल्पना, मराठी की उत्पत्ति और विकास।
मराठी साहित्य तथा उसका इतिहास – प्राचीन काल – यादव काल, बहमनी काल, मराठा काल, पेशवा काल। आधुनिक काल – आधुनिक मराठी काव्य, आधुनिक मराठी गद्य–साहित्य।

इकाई – 2 **हिन्दी एवं मराठी भाषा का तुलनात्मक अध्ययन –**
हिन्दी और मराठी का निर्गुण काव्य, हिन्दी और मराठी का वैष्णव साहित्य (कृष्ण–काव्य), हिन्दी और मराठी साहित्य पर आधुनिक चेतना और नवजागरण का प्रभाव – यथार्थवादी चेतना और उपन्यास, स्वच्छंदतावादी और प्रगतिशील काव्य, हिन्दी एवं मराठी दलित साहित्य, आधुनिकता बोध और प्रयोगवादी काव्य का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई – 3 **कविता संग्रह – कोच्चि के दरख्त (मलयालम–के. जी. शंकर पिल्लै) ।**

इकाई – 4 **नाटक – हयवदन (गिरीश कर्नाड) ।**

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. मराठी साहित्य और संस्कृति से विद्यार्थियों का सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की संस्कृति का ज्ञान होने से राष्ट्रीय समन्वय का भाव विकसित होगा।
3. मलयालम तथा कन्नड़ की विशिष्ट कृतियों का अध्ययन किए जाने से दक्षिणात्य संस्कृति से भी परिचय होगा तथा समन्वय भावना का भी विकास होगा।
4. भारतीयता के सांस्कृतिक स्त्रोतों के प्रति सजगता उत्पन्न होगी।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. मराठी भाषा और साहित्य राजमल बोरा, प्रकाशन पब्लिशिंग हाउस 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली ।
2. मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार – प्रो आर.सुरेन्द्र हिन्दी विभाग, कालीकट वि. वि. केरल
3. मलयालम साहित्य – परख और पहचान, प्रो.आर.सुरेन्द्र हिन्दी विभाग, कालीकट वि. वि. केरल
4. भारतीय साहित्य – नगेन्द्र प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
5. भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
6. भारतीय साहित्य रत्नमाला – स. कृष्णदयाल भार्गव, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय, भारत सरकार दिल्ली।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल**

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र, प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय, विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025-2026
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
पत्रकारिता प्रशिक्षण (भाग –2)
(इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट पत्रकारिता)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 405

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता की प्रकृति एवं प्रविधि की जानकारी प्रदान करना।
2. जनसंपर्क की विधि और प्रक्रिया का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।
3. संविधान-प्रदत्त मौलिक अधिकारों, विशेषतः वाणी-स्वातंत्र्य के लोकतांत्रिक अधिकारों के विषय में समझ और जागरूकता विकसित करना।
4. पत्रकारिता के कर्तव्य एवं दायित्व पक्ष की सम्यक जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई – 1 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता – रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया और इन्टरनेट की पत्रकारिता।
प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ संशोधन, ले–आऊट तथा पृष्ठ–सज्जा।

इकाई – 2 भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना का अधिकार एवं मानवाधिकार।
मुक्त प्रेस की अवधारणा।

इकाई – 3 लोक–सम्पर्क तथा विज्ञापन।
प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी।

इकाई – 4 प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता।
प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

1. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता की प्रकृति एवं प्रविधि का ज्ञान होगा।
2. जन–संपर्क की विधि का सामान्य ज्ञान हो सकेगा।
3. संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों विशेषतः वाणी–स्वातंत्रय के लोकतांत्रिक अधिकारों के विषय में समझ विकसित होगी।
4. पत्रकारिता के कर्तव्य एवं दायित्व पक्ष का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्पयुक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
  इस प्रश्न पत्र के आंतरिक मूल्यांकन (जांच परीक्षा तथा सत्रीय कार्य) के स्थान पर प्रोजेक्ट कार्य 20 अंक का होगा । पत्रकारिता के व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु छत्तीसगढ़ के किसी समाचार प्रेस की कार्यप्रणाली का अध्ययन करने के लिए शैक्षणिक भ्रमण तथा उसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत की जायेगी

संदर्भ ग्रंथ :–

1. जनमाध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित
2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भानावत
3. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक
4. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू
5. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
6. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र,
प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025-2026
चतुर्थ सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पंचम
राजभाषा–प्रशिक्षण (भाग –2)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 405B

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को

1. कम्प्यूटर में हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।
2. कार्यालयीन अभिलेखों के हिंदी अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष के संबंध में सामान्य जानकारी से अवगत कराना।
3. हिंदी में तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दावली और उनके व्यवहार के विषय में सजगता विकसित करना।
4. हिंदी में वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, विधि आदि की शब्दावली के विषय में तथा साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष : हिन्दी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण, तथा पत्राचार।
कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या।

इकाई 2. हिन्दी कम्प्यूटरीकरण।

इकाई 3. हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण।
हिन्दी में वैज्ञानिक और तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली।
केन्द्र और राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति।

इकाई 4. बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति।
विधिक क्षेत्र में हिन्दी।
सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी

1. कम्प्यूटर में हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में जान सकेंगे।
2. कार्यालयीन अभिलेखों के हिंदी अनुवाद के व्यावहारिक पक्ष के संबंध में जान सकेंगे।
3. हिंदी में तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दावली और उनके व्यवहार के विषय में जान सकेंगे।
4. हिंदी में वैज्ञानिक तकनीकी प्रशासनिक विधि शब्दावली अनुप्रयोग के विषय में जान सकेंगे।
5. सूचना प्रौद्योगिकी ने हिंदी के अनुप्रयोग के विषय में जान सकेंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्पयुक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
- इस प्रश्न पत्र के आंतरिक मूल्यांकन (जांच परीक्षा तथा सत्रीय कार्य) के स्थान पर प्रोजेक्ट कार्य 20 अंक का होगा ।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. जनमाध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित
2. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. संजीव भानावत
3. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक
4. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू
5. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा
6. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल

हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

विभागाध्यक्ष : डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ : डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. उमाकांत मिश्र, प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ : डॉ. शंकरमुनि राय, विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि : डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक : श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025–2026
प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य रूप (लोक नाट्य)
पाठ्यक्रम कोड – SCH1- 101

पूर्णांक :– 100

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. लोक साहित्य की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करना ।
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य एवं संस्कृति के अंतर्संबंध को समझना।
3. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की परंपरा एवं विरासत से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1: लोक साहित्य : अवधारणा, अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्त्व, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य ।

इकाई 2: हिंदी के आरंभिक साहित्य में लोक तत्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतर्सम्बन्ध ।

इकाई 3: छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य : छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की परंपरा ।

इकाई 4: छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य के विविध रुप : लोकगीत, लोक नाट्य, लोक गाथा, लोक नृत्य, लोक संगीत और लोक सुभाषित ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी –

1. लोक साहित्य की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करेंगे ।
2. लोक साहित्य के महत्तव को समझ सकेंगे ।
3 छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति तथा लोक साहित्य की परंपरा एवं विरासत को सहेजने के प्रति जागरुक होंगे।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. लघूत्तरीय प्रश्न	–	5 X 2 = 10 अंक
प्रश्न 2. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक
प्रश्न 5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1 X 15 = 15 अंक

30 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा जिसके अंतर्गत सत्रीय कार्य होगा।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ. दयाशंकर शुक्ल, वैभव प्रकाशन, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ी लोक– जीवन और साहित्य का अध्ययन – डॉ. शंकुतला वर्मा, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
3. छत्तीसगढ़ी गीत – जमुनाप्रसाद कसार, श्री प्रकाशन, दुर्ग
4. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं लोक साहित्य – डॉ. बिहारी लाल साहू,वैभव प्रकाशन, रायपुर
5. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यः नाचा – महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
6. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और रंगकर्म – डॉ. उषा बैरागकर आठले श्री प्रकाशन, दुर्ग

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025–2026

मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम (VAC)

छत्तीसगढ़ी लोक–साहित्य–रुप (लोक नाट्य)

पाठ्यक्रम कोड– SCHI-102

पाठ्यक्रम की अवधि (तीन माह)

पूर्णांक :– 50
अंतिम सत्र परीक्षा - 25
प्रोजेक्ट- 25
क्रेडिट - 02

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :–

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. लोक नाट्य परंपरा तथा उसके महत्त्व को समझंना ।
2. छत्तीसगढ़ी "नाचा" के संबंध में जानकारी होगी ।
3. लोक गाथा पंडवानी तथा रहस की जानकारी तथा उसके महत्त्व को समझ सकेंगे ।

पाठ्यक्रम विवरण :–

इकाई 1 लोक–नाट्य का सामान्य अध्ययन ।

इकाई 2 नाचा ।

इकाई 3 पंडवानी ।

इकाई 4 रहस।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :–

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. लोक–नाट्य परंपरा तथा उसके विविध रुपों से परिचित होंगे ।
2. छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य नाचा से परिचित होंगे।
3. लोक गाथा पर आधारित पंडवानी तथा रहस से परिचित होंगे।

अंक विभाजन :–

1. पेपर 50 अंकों का है, 25 अंक थ्योरी और 25 अंक प्रोजेक्ट के होंगे ।
2. कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे और 5 का उत्तर दिया जाएगा।
3. प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।
4. पाठ्यक्रम के किसी एक विषय पर परियोजना बनाई जाएगी।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. रंग परम्परा – नेमीचन्द्र जैन वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यः नाचा – महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
3. महाभारत की वाचिक परम्परा का लोक स्वरूप – पंडवानी – चौमासा
4. रहस – छत्तीसगढ़ का पारम्परिक लोकनाट्य – निरजन महावर प्रकाशन, दुर्ग
5. लोक साहित्य समग्र – राम नारायण उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक पब्लिकेशन, वारानसी
6. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और रंगकर्म – डॉ. उषा बैरागकर आठले श्री प्रकाशन, दुर्ग

संदर्भ ग्रंथ :–

1. रंग परम्परा – नेमीचन्द्र जैन वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्यः नाचा – महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
3. महाभारत की वाचिक परम्परा का लोक स्वरूप – पंडवानी – चौमासा
4. रहस – छत्तीसगढ़ का पारम्परिक लोकनाट्य – निरजन महावर प्रकाशन, दुर्ग
5. लोक साहित्य समग्र – राम नारायण उपाध्याय, हिन्दी प्रचारक पब्लिकेशन, वारानसी
6. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य और रंगकर्म – डॉ. उषा बैरागकर आठले श्री प्रकाशन, दुर्ग

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र

सत्र 2025–2026

हिंदी विभाग प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

(वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम)

व्यावहारिक हिंदी

प्रोग्राम कोड:CCH

पाठ्यक्रम की शिक्षण अवधि 30 घण्टे

पूर्णांक: 50

परीक्षा समयावधि: 3:00 घण्टे

पाठ्यक्रम की आवश्यकता -

साहित्य और ज्ञान-विज्ञान की भाषा होने के साथ-साथ हिंदी रोजमर्रा के कार्य-व्यवहार की भी भाषा है। निजी एवं सार्वजनिक कामकाज में उसका प्रयोग उत्तरोत्तर बढ़ रहा है। पिछले तीन-चार दशकों के दौरान सामाजिक अनुप्रयोग की भाषा के रूप में उसका स्वरूप लगभग निश्चित और स्थिर हो गया है।

इसका व्यावहारिक ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करने के उद्देश्य से व्यावहारिक हिंदी का यह पाठ्यक्रम स्तावित है। इस पाठ्यक्रम में 02 प्रश्नपत्र होगे और शिक्षण अवधि 30 घंटे की होगी। पाठ्यक्रम तीन माह में पूर्ण होगा। इसे पूर्ण करने तथा परीक्षा में उत्तीर्ण होने के उपरांत विदयार्थी को प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

परीक्षा का आयोजन

प्रत्येक सत्र में एक बार अर्थात ट्राइमेस्टर अंत में परीक्षा होगी। पूरे वर्ष में दो बैच के विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सकेंगे। पाठ्यक्रम के लिये पंजीयन जुलाई तथा जनवरी में किया जायेगा। जान तत्काल बाद शिक्षण कार्य प्रारंभ होगा।

पाठ्यक्रम (प्रोग्राम) का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है. विद्यार्थियों को -

1 हिंदी भाषा में कार्यालयीन कामकाज की पद्धति और प्रक्रिया से अवगत कराना।।

2 हिंदी में कंप्यूटिंग का कामकाजी जान प्रदान करना।

3 अनुवाद की पद्धति और प्रविधि से अवगत कराना।

4 जनसंचार माध्यमों की भाषा के रूप में हिंदी के अनुप्रयोग का सामान्य ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम विवरण -

इकाई 1

कार्यालयीन भाषा (पत्राचारः प्रारूपण, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश,परिपत्र,अधिसूचना, अनुस्मारक, पृष्ठांकन)

इकाई-2

टिप्पण प्रक्रिया एवं स्वरूप, व्यवहारिक अनुप्रयोग, संक्षेपण प्रक्रिया एवं स्वरूप, कार्यालयीन अनुपयोग।

इकाई-3

पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप प्रक्रिया एवं महत्व।

इकाई-4

अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया प्रविधि एवं महत्व। कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद।

इकाई-5

हिंदी कम्प्यूटिंग का सामान्य परिचय ।

पाठ्यक्रम का अधिगम परिणामः

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों को

1 राजभाषा के रूप में हिंदी की संवैधानिक स्थिति और उसके कार्यात्मक पक्ष की सम्यक जानकारी प्राप्त होगी।

2 हिंदी में कार्यालयीन कामकाज की पध्दति और प्रक्रिया का समुचित जान होगा।

3 हिंदी में पत्राचार और टिप्पण के व्यावहारिक पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी।

4 बैंकिंग, कार्यालयीन, दूरसंचार, व्यवसाय और कानून की शब्दावली का ज्ञान होगा।

5 कार्यालयीन कामकाज में अनुवाद के प्रयोग का सामान्य ज्ञान हो सकेगा।

प्रश्नपत्र की पद्धति -

प्रश्नपत्र में कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें से पाँच प्रश्नों को हल करना होगा। प्रत्येक प्रश्न में 10 अंक होंगे।

संदर्भ पुस्तकें -

1 कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति : चन्द्रपाल शर्मा

2 सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग गोपीनाथ श्रीवास्तव

3 आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना: वासुदेव नंदन प्रसाद

4 प्रयोजनमूलक हिंदी: विनोद गोदरे

5 प्रयोजनमूलक हिंदी: माधव सोनटक्के

6 प्रयोजनमूलक हिंदी : संजीव जैन

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा,
सेवा निवृत्त प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, प्राचार्य

विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय,
विभागाध्यक्ष हिंदी

उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी,
संपादक विचार विन्यास

अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान,
सहायक प्राध्यापक, संस्कृत

विभागीय सदस्य

डॉ. रजनीश उमरें

डॉ. ओमकुमारी देवांगन

डॉ. रमणी चन्द्राकर

डॉ शारदा सिंह

डॉ लता गोस्वामी

छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी,
भूतपूर्व छात्र